



भारत का दस्तावेज़

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

W 31/2 89

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

S. 141]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 17, 1989/फाल्गुन 26, 1910
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 17, 1989/PHALGUNA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

आदेण
२८ अक्टूबर १९९९

TÍTULO 17. M

नई दिल्ली १७ मार्च १९९९

का था ०५ (प्र) — कम्पनी विधि और का समाधान हो गया त्रिलोक समस्त नमिलनारू मैग्नेशिट प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जो मैसर्स तमिल, नाडु मरनेमाइट लिमिटेड दो एक पृष्ठीन्त स्वामित्व समनुपाती है तमिलनाडु मरनार का एक पृष्ठीन्त स्वामित्व उपक्रम है जो मैग्नेशिट अस्त्र विनियोगिता विभाग और अन्य मध्यवद्ध उत्पादों को खादन के लिए नियमित किया गया ग न ए मरन्त्र स्वामित्व वर्तना और ए मरन्त्रान्त्रिम करा प्राप्त असना और समाप्तना से बाहर पाया है

ओर निपत्री कम्पनी मेंगर्स समिनताएँ, मेंगननाइंग निपिटें जा पूर्ण सरकारी स्वामित्व का विमता है और निमका र्यार्नीक्स ट्रायार्टिय २/५३ आमाल्यर मन गण ज्ञार आमपालियम, डैनम-६३६ ३०२ म है व पार्ग मर्ग गमा इन डैम ति विनाय विवरण विनेत्रता घन्तभव प्रशासनिक रतुभ्रश्च और वर्गाना की नामकालिया और स्पाधनो तो मध्य वरन व गिर आम ल्वार ह

आगे मैरामै नमिनाराम मैगतभाड़ लिमिटेड जा एक नियन्त्री कम्पनी है जिसके द्वारा जागे मामाराम के वर्षमै ममाड़ना का उत्पादन प्रणालीनक

खब्बों में वक्तव्य और नीति व मास्टर में समन्वय बरका भक्ती है और मैगेसाइट, अन्य स्कूलिंग विनियोग रफेन्टरीज और अन्य महबूब उत्पादों का वक्तव्य और प्रार्थित विस्तार और कार्यकरण मुनिशित करा सकती है, अत लाकहित म यह आवश्यक है कि भूमिलनाहु मैगेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड जो न तभिलनाहु मैगेसाइट लिमिटेड की समन्वयी है, का एक अधिकारी वे हृषि म समामेलिंग कर दिया जाना चाहिए।

और दोनों कम्पनियों द्वारा भैंसर नमिलनाड़ु बैंगनेसाइट लिमिटेड और मैमस नाडु बैंगनेसाइट प्राइवेट लिमिटेड ने २०-४-१९८८ को हुई शपाधारण माधारण बैंक में दोनों कम्पनियों के शेयर धारकों द्वारा पारिं किए गए यक्षम द्वारा समावेषन की स्कीम का अनुमोदन कर दिया ५

और प्रस्तावित प्रादृश्य की एक प्रभित यूरोपियन कम्पनियों अधिकृत मैसर्स नमिनानाडु मैग्नेसाइट विमिटेड और तमिनमाडु मैग्नेसाइट प्रोडक्ट्स विमिटेड का गमाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए भेजी गई थी और कम्पनी निधि बाड़ को समाप्तेत की स्क्रीन वाली याचन विस्तीर्ण अधिकृत मार्ग आक्षेप/स्थावर प्राप्त नहीं हुआ है।

प्रब्र अन कम्पना विधि बाई भारत सरकार ने कम्पनी कार्प विभाग की अधिसूचना से भा का नि 443(ग्र) तारीख 13 अक्टूबर, 1972 ने माथ पठिन कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 396 से उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रकृत जाकिया

का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कम्पनियों को एक कम्पनी में समावेशित करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, प्रार्थितः—

1. मंजिल नामः—इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड और तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड (समावेश) आदेश, 1989 है।

2. परिभाषा:—इस आदेश में अब तक कि संदर्भ में अन्यथा प्रभेत्तित न हो,

(क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है, जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रादीप्तित किया जाता है

(ख) “विधित कम्पनी” से मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड अभिप्रेत है;

(ग) “परिणामी कंपनी” से मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड अभिप्रेत है;

3. तारीख 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड की प्राधिकृत पूँजी 50,00,00,000 रुपए (प्रत्येक 100 रुपए का साधारण अंश) और समावृत पूँजी 10,25,00,000 रुपए (प्रत्येक 100 रुपए का साधारण अंश थी)। तारीख 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड की प्राधिकृत पूँजी 1,50,00,000 रुपए (प्रत्येक 10 रुपए का साधारण अंश और समावृत पूँजी 12,75,000 रुपए (प्रत्येक 10 रुपए का साधारण अंश थी)।

3. (क) कम्पनियों का समावेशन:—1. नियत दिन से ही, मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड और मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जहाँ पर भी है, जिसके प्रत्यरोपी संर्भी संपत्तियों आहे अगम हो या स्थावर और अन्य अस्तित्वों आहे वे किसी भी प्रकार की हों, जैसे मरीनरी और सभी स्थिर आस्तित्वों, पट्टे पूँ-धूति प्रशिक्षार, शेयरों में विभाजन या अन्यथा व्यापार में स्टाक, औजार, प्रभिवहन में सभी प्रकार के दोनों घनों का अधिगम, बहीताता अृण, अष्टाया घन, वसूलीय दावे, कंगार, प्रौद्योगिक और अन्य अनुशासितियां और अनुशासन, आयात और अन्य अनुकूलितियां, आशय-पत्र और हर प्रकार के सभी अधिकारी और शक्तियां, किन्तु मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सभी बंधकों और प्रभारों और आडमान, और उसकी उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाली प्रत्याधूति और सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए, और कार्यवाही या विलेख के बिना प्रवृत्त विधि के अनुसार मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड भी प्रत्यरित हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे या अस्तरित और निहित हुए समझे जाएंगे। इसमें इसके पूर्ण निविष्ट ऐसी सभी सम्पत्तियों के मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड में निविष्ट होने पर, मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड में मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड द्वारा धारित पूर्णतः समावृत्त प्रत्येक 10 रुपए के सभी 1,27,500 साधारण अंश रह हो जाएंगे।

2. लेखा के प्रयोगनों के लिए समावेशन, विधित कंपनी के 11 मार्च, 1988 को यथा विद्यमान लेखा पर्याप्तिक लेखाओं और तुलना पत्र के प्रति निर्देशन-से प्रभावी होगा और उसके पाण्यात् सम्बन्धितों को एक सामान्य लेखा में पूर्ण किया जाएगा, विधित कंपनी से किसी पाण्यात्वकर्ता तारीख को अपना प्रतिनिधि लेखा तैयार करने की श्रेष्ठता नहीं की जाएगी और परिणामी कम्पनी 31 मार्च, 1986 को यथा विद्यमान तुलना पत्र के अनुसार सभी अस्तित्वों और शक्तियों को श्रहण करेंगी उसके पश्चात् के सभी संबंधितों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेंगी।

साप्टीकरण:—विधित कंपनी के उपक्रम के अन्तर्गत सभी अधिकार, अधिकारी, विशेषाधिकार, विशेषाधिकार और सभी सम्पत्ति, जेंगम या स्थावर जिसके प्रमाणेत भक्त अधिकार, आरक्षितिया, राजस्व अधिकार, विनिधोन और ऐसी सम्पत्ति में, या उसके उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और

भविकारी जो नियत दिन के ठीक पूर्व विधित कंपनी के हों, और उससे संबंधित सभी बहिता, लेखे और दस्तावेज तथा विधित कंपनी के उम समय विद्यमान सभी अृण, शायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएँ, आहे वे किसी भी प्रकार की उम समय हों, आते हैं।

4. सम्पत्ति की कुछ सभी का ग्रन्तरण:—इस आदेश के प्रयोगन वे निए, नियत दिन को यथा विद्यमान विधित कंपनी के सभी लाभ या हानि या दोनों, यदि कोई हैं, और विधित कंपनी के गतस्य आरक्षिती, या चाटा, या दोनों, यदि कोई है, जब परिणामी कम्पनी को अन्तर्गत होते हैं, तो वे परिणामी कम्पनी के व्याप्तियां, लाभ या हानि और राजस्व आरक्षिती या भाटे का भाग रूप होंगे।

5. संविदाओं भावि की ग्रावृति:—इस आदेश में अन्तर्विष्ट अन्य उपक्रमों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएँ, विनेश, वंशपत्र, करार और अन्य लिखते, आहे वे किसी प्रकार कांडे हों, जिनमें विधित कंपनी एक पक्षकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व आमिन्ति में है या प्रभावी है, परिणामी कंपनी के विशेष या उसके पक्ष में पूर्णतः वक्षील और प्रभावी होंगी और उन्हे वैसे ही पूर्ण रूप से प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विधित कंपनी का वजाय परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार थी।

6. विधिक कार्यालयों की व्यावृति:—यदि, नियत दिन को, विधित कंपनी द्वारा या उसके विशेष कोई बाव, अभियोजन, आरीक या किसी भी प्रकृति की अत्य विधिक कार्यालयी कंपनी को अन्तरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होने हुए, भी जागमित नहीं होगी या उस बन्द नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिनिधि प्रभाव नहीं पड़ेगा, किंतु ऐसा वाद, अभियोजन, आरीक या अन्य विधिक कार्यालयी परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विशेष उसी रीति से और उसे विस्तार तक जारी रखी जा सकेंगी, प्रगतर और प्रवर्तित नी जा सकेंगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विधित कंपनी द्वारा द्वारा या उसके विशेष जारी रखी जा सकेंगी या अप्रसर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकेंगी, या प्रगतर और प्रवर्तित नी जा सकेंगी, यदि यह आदेश नहीं किया गया होना।

7. बाराधान की बाबत उपबंध:—नियत दिन से पूर्व, विधित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अधिलालयों (जिनके अस्तरित भक्त अृणियां और अनामेलित अवधारणाएँ भी हैं) की बाबत सभी कर उम सीमा तक परिणामी कंपनी द्वारा सदैय होंगे जैसे वे विधित कंपनी द्वारा नद नद सदैय होंगे जब यह आदेश न किया गया होना।

8. विधित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध:—विधित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विधित कंपनी के निदेशक को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बन जाएगा और उड उपर अपना पद या अपनी सेवा उर्मा अवधि के लिए और उर्मा निवंशनों और शर्तों पर और उसे ही प्रधानारण और विशेषाधिकारी के मायधारण करेगा जो वह, यदि वह आदेश नहीं किया गया होगा, विधित कंपनी के अधीन धारण करना और यह उभ तक ऐसा करता रहेगा जब उसके परिणामी कंपनी में उमसा नियोजन भव्यक रूप में समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब उक उमसा पारिश्रमित और नियोजन की जाने पारम्परिक महर्मत द्वारा सम्मक्ष रूप में परिवर्तित नहीं बन जाती।

9. निदेशकों का उपबंध:—विधित कंपनी का प्रथेक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व इस रूप में पद धारण किए हुए हैं, नियत दिन को विधित कंपनी के निदेशक के नियत नहीं रह जाएगा।

10. भविष्य निधि की समस्या—विषयित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रिया उपबंध अधिनियम, 1952 की स्तरीय के अधीन उम कर्मचारी भविष्य निधि के मद्दत बने रहेंगे जिसके बे मद्दत है और इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियत विन में समिक्षादृ मैग्नेसाइट लिमिटेड, इन अधिकारियों और कर्मचारियों की वायन, उन्हीं दोनों पर, जिन पर विषयित कंपनी उम कर्मचारी भविष्य निधि में अभिभावन कर रही थी, उन निधि में कर्मचारियों के अभिभावन करेगा और फर्जना रहेगा।

11. नमिनाडु मैग्नेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का विषयत—इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहने हुए नियत विन से नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड प्रोडक्ट्स विषयित हो जाएगी और कोई भी अस्ति विषयित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निवेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उमकी ऐसे निवेशक या अधिकारी की व्यक्तियत में, न तो कोई वावा करेगा और न कोई मांग या कार्यवाही प्रदायन करेगा या हटाएगा, मिवाय बहाने तक जहां तक इस आदेश के उपबंधों बो प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

12. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण—कंपनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथायोध कानौं रजिस्ट्रार नमिनाडु को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा जिसकी पालन पर, कंपनी रजिस्ट्रार नमिनाडु परिणामी कंपनी द्वारा विस्तृत फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेंगा और इस आदेश की प्राप्ति होने की नातीव से एक मास के पीनार उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने इन्स्पायर मे प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, नमिनाडु अन्वरक कंपनी से संबंधित आगे पास रजिस्ट्रीकूल, अभिलिखित या फाहन किए गए सभी इन्वेन्टर, नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड को जिसके माथ अन्वरक कंपनी था समाप्तेन किया यथा है, फाहल मे रखेगा और उन्हें संस्किन करेगा और इस प्रकार भवेक्षित दस्तावेजों को अपनी पत्रकाल मे रखेगा।

13. परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद—नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड के संगम जापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में नियत विन के द्वारा पूर्व विद्यमान थे, नियत विन से परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[121/10/88—मी. एल -III]
एल कुमार, गवर्नर, (कंपनी विधि बांड)

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1989

S.O. 205(B).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, a wholly owned subsidiary of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, a wholly owned Government of Tamilnadu Undertaking which was incorporated to mine the Magnesite, other mineral manufacturing and other allied products has found it beyond the capacity and resources to set up and run such plants;

And whereas, the holding Company, M/s. Tamilnadu Magnesite Limited a wholly owned Government Company, having its registered office at 5/53, Omalur Main Road, Jagir Ammalpalayam, Salem-636302, has all the resources such as financial, marketing, expertise, experience, administrative experience and other sources to strengthen the profitability and resources of the company;

And whereas the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, the holding Company, can provide the use of scarce resources and equipments personal and material, save administrative expenses and enduring co-ordination in policy and the efficient and

economic expansion and working of the Magnesite, other minerals manufacturing Refractories and other allied products, it is essential in the public interest that The Tamilnadu Magnesite Products Limited, which is a subsidiary of Tamilnadu Magnesite Limited, should be amalgamated into a single Company.

And whereas, both the companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the Shareholders of both the Companies in the extraordinary General Meetings held on 29th April, 1988;

And whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the aforesaid Companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and Tamilnadu Magnesite Products Limited for its publication in the Newspaper and that no objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the theme of amalgamation from any person;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of the Section 3 per cent of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E) dated 13th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two Companies into a single Company, namely:—

1. Short title.—This Order may be called the Tamilnadu Magnesite Products Limited and Tamilnadu Magnesite Limited (Amalgamation) Order, 1989.

2. Definitions.—In this Order unless the context otherwise requires:

(a) "Appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette.

(b) "Dissolved Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited.

(c) "Resulting Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited.

3. The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 50,00,00,000 (equity shares of Rs. 100 each) and paid up capital was Rs. 10,25,00,000 (equity shares of Rs. 100 each). The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 1,50,00,000 (equity shares of Rs. 10 each) and paid up capital was Rs. 12,75,000 (equity shares of Rs. 10 each).

3. (a) Amalgamation of the Companies.—1. On and from the appointed day, the entire business and undertaking of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, as where is including all the properties, movable or immovable and other assets, of whatsoever nature e.g. machinery and ill fixed assets leases tenancy rights, investments in shares or otherwise stock in trade, tool, goods in transit, advances of monies at all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, import and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in acceptance with the law in force. On such vesting of all the properties herein before referred to in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, all the Rs. 1,27,500 equity shares of Rs. 10 each fully paid up held by M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, will stand cancelled.

2. For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1988 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to

prepared its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 31st March, 1988 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—The undertaking of the dissolved company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balances, revenue investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

4. Transfer of certain items of property.—For the purpose of this order, all the profits or losses of both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

5. Saving of contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect again or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

6. Saving of Legal Proceedings.—If, on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this order. But the suit, prosecution appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this order had not been made.

7. Provisions with respect of Taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company to the same extent as they would have been payable by the dissolved company if this order had not been made.

8. Provisions respecting existing officers and other employees of the dissolved company.—Every whole-time officers or other employee (excluding the Directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become

an officer or other employee as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have had under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

9. Position of Directors.—Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

10. Membership of Provident Fund.—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employees' Provident Fund under the scheme of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and Tamilnadu Magnesite Limited shall with effect from the appointed day of publication of this order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employees' Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

11. Dissolution of the Tamilnadu Magnesite Products Limited.—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Tamilnadu Magnesite Products Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

12. Registration of the order by the Registrar of Companies.—The Company Law Board, shall as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Tamilnadu, a copy of this order, on receipt of which the Registrar of Companies, Tamilnadu shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter the Registrar of Companies, Tamilnadu shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of Tamilnadu Magnesite Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

13. Memorandum and articles of Association of the resulting company.—The Memorandum and Articles of Association of the Tamilnadu Magnesite Limited as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[24/10/88-CL III]
S. KUMAR, Member
(Company Law Board)